गोपनीय

ज्ञापन

कार्यभारी मन्त्री	वित्त एवं योजना मन्त्री, हरियाणा।
प्रशासकीय सचिव	प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, योजना विभाग ।

विषय :– अर्थ तथा सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग, हरियाणा की वर्ष 2011–12 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट तथा समीक्षा ।

,,,,,,,,,,,,,

वर्ष 2011–12 के लिये अर्थ तथा सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग, हरियाणा की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट (केवल हिन्दी भाषा में) तथा समीक्षा एंव समालोचना (हिन्दी व अंग्रेजी दोनो भाषाओं में) मुख्य सचिव, हरियाणा के अशा0 क्रमांक 15/19/91–4 पी0पी0 दिनांक 30–3–93 के अनुदेशों के अनुसार मन्त्रीपरिषद के अनुमोदन हेतु प्रस्तुत है।

इस मामले को मन्त्रीपरिषद के सम्मुख प्रस्तुत करने के लिए मुख्यमन्त्री महोदय की पूर्व अनुमति ले ली गई है ।

(संजीव कौशल)
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
योजना विभाग ।

दिनांक, चण्डीगढ़

अर्थ तथा सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग, हरियाणा की वर्ष 2011–12 के कार्य की समीक्षा ।

''''''''''''''''

अर्थ तथा सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग का मुख्य कार्य राज्य में विभिन्न विकास कार्यक्रमों के नियोजन एवं प्रशासन हेतू विभिन्न प्रकार के अभीष्ट आंकड़ों को एकत्रित, संकलित एवं विश्लेषण करना है । राज्य के विभिन्न सामाजिक–आर्थिक पहलुओं पर सर्वेक्षण करना, मूल्यांकन अध्ययन करना, पंचवर्षीय योजना तथा वार्षिक योजना बनाने में सहायता प्रदान करना तथा आर्थिक एवं सामाजिक विषयों पर राज्य सरकार को परामर्श देना आदि कार्य भी इसी विभाग द्वारा सम्पन्न किये जाते हैं ।

वर्ष 2011–12 के दौरान सांख्यिकीय सारांश हरियाणा, 2010–11 जिसमें राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक पहलुओं पर विस्तृत आंकड़े दिये जाते हैं, को तैयार करके मुद्रित करवाया गया व बजट सत्र के दौरान विधान सभा में अन्य बजट प्रलेखों के साथ विधानसभा के समक्ष प्रस्तुत किया गया ।

'आर्थिक सर्वेक्षण हरियाणा, 2011–12 जिसमें राज्य अर्थ–व्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में की गई प्रगति दर्शाई जाती है, को तैयार करके मुद्रित करवाया गया व बजट सत्र के दौरान हरियाणा विधान सभा में प्रस्तुत किया गया ।

विभाग द्वारा 31 मार्च, 2010 को हरियाणा सरकार के अधीन अमला के आंकड़ों की गणना का कार्य किया गया व विभिन्न श्रेणियों के अनुसार कर्मचारियों के वर्गीकरण सम्बन्धी कार्ड जारी किया गया । इसके अतिरिक्त 31 मार्च, 2011 से सम्बन्धित अमला के आंकड़ों का एकत्रीकरण व संकलन कार्य भी जारी रहा ।

हरियाणा गजट भाग II में प्रकाशन के लिए मासिक उपभोक्ता कीमत सूचकांक नियमित तौर पर (श्रमिक वर्ग) तैयार किया जाता है । इसके अतिरिक्त कृषि श्रमिक मजदूरी एवं ग्रामीण खुदरा कीमत, चुनी हुई वस्तुओं की खुदरा एवं थोक भाव की मासिक विवरणियां एकत्रित तथा संकलित करके राज्य तथा केन्द्र सरकार को भिन्न–भिन्न प्रकार की रिपोर्ट एवं सूचना प्रेषित की गई ।

प्रचलित तथा स्थिर (2004–05) दोनों भावों पर सकल राज्य घरेलू उत्पाद, निवल राज्य घरेलू उत्पाद तथा प्रति व्यक्ति आय अनुमान वर्ष 2009–10 के लिये तैयार किये गये। वर्ष 2010–11 के द्रुत अनुमान तथा वर्ष 2011–12 के अग्रिम अनुमान भी प्रचलित तथा स्थिर (2004–05) दोनों भावों पर तैयार किये गये । हरियाणा राज्य के जिला स्तरीय सकल एंव निवल राज्य घरेलू उत्पाद तथा प्रति व्यक्ति आय अनुमान नई श्रृंखला आधार वर्ष (2004–05) वर्ष

2004–05 से 2008–09 तक प्रचलित तथा स्थिर (2004–05) दोनों भावों पर तैयार किए गए।

"हरियाणा सरकार के बजट वर्ष 2011–12 का आर्थिक एवं प्रयोजनवार वर्गीकरण" तथा "राज्यों के वित्त का विश्लेषण वर्ष 2010–11" नामक प्रतिवेदनों को तैयार किया गया तथा "हरियाणा राज्य की नगरपालिकाओं/परिषदों/निगमों के बजटों का आर्थिक एवं कार्यात्मक वर्गीकरण वर्ष 2009–10"' को तैयार करने का कार्य प्रगति पर रहा ।

वर्ष 2009–10 से सम्बन्धित 'कृषि लेखा व "कृषि परिवार बजट" नामक अध्ययन रिपोर्ट तैयार की गई व वर्ष 2010–11 से सम्बन्धी कार्य प्रगति पर रहा।

औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार वार्षिक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक वर्ष 2010–11 (आधार वर्ष 1999–2000) पर तैयार किया गया ।

सन्दर्भाधीन अवधि में स्थानीय स्तर विकास के लिए मूलभूत आंकड़े, राष्ट्रीय भवन संगठन व अलाभकारी संस्थाओं का सर्वेक्षण कार्य प्रगति पर रहा ।

राष्ट्रीय प्रतीक सर्वेक्षण के 67 वें चरण का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किया गया तथा 68 वें चरण का कार्य प्रगति पर रहा ।

पांच जिलों में प्रशिक्षण कैम्प आयोजित किए गए जिनमें विभिन्न विभागों के 142 कर्मचारियों को प्राथमिक सांख्यिकी सम्बन्धित प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा विभाग के लगभग .27 अधिकारियों/कर्मचारियों को विभिन्न संस्थानों में प्रशिक्षण के लिये भेजा गया ।

सभी जिलों के वर्ष 2009–10 के जिला सांख्यिकीय सारांश, सामाजिक–आर्थिक पुनरीक्षण तथा नगरपालिका वार्षिक पुस्तक को तैयार किया गया ।

वर्ष के दौरान वार्षिक योजना 2011–12 को तैयार किया गया व वार्षिक योजना 2012–13 व 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012–17) का प्रारूप भी तैयार किया गया।

वर्ष 2011–12 के दौरान जिला योजना स्कीम के तहत राज्य के सभी जिलों को राशि जारी की गई ।

राज्य स्ट्रैटजिक सांख्यिकीय योजना (SSSP) व 13वां वित्त आयोग (TFC) से सम्बन्धित कार्य प्रगति पर रहा ।

वर्ष 2011–12 के दौरान मूल्यांकन अध्ययन नामतः मिड डे मील (मध्य दिवस भोजन योजना), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम व इन्दिरा आवास योजना को पूर्ण किया गया।

20–सूत्रीय कार्यक्रम के कार्यान्वयन से सम्बन्धित मासिक/त्रैमासिक प्रगति रिर्पोट का नियमित रूप से अनुश्रवण किया गया तथा वांछित सूचना भारत सरकार को भेजी गई ।

जिला सांख्यिकीय एजैंसियां अपने जिलों के जिला सांख्यिकीय सारांश, जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण, नगरपालिका वार्षिक पुस्तक तैयार करने/संशोधन करने में तथा अन्य सांख्यिकीय कार्यकलापों में व्यस्त रहीं ।

दिनांकः चण्डीगढ

संजीव कौशल,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
योजना विभाग ।

अर्थ तथा सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग, हरियाणा की
वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट 2011–12

अर्थ तथा सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग, योजना विभाग के प्रशासनिक नियन्त्रणाधीन कार्य करता है । इसके मुख्य कार्य निम्न प्रकार वर्णित हैं :–

(क) राज्य के विभिन्न सामाजिक तथा आर्थिक पहलुओं पर आंकड़ों का संग्रह, संकलन तथा उनका विश्लेषण ।
(ख) राज्य के योजना एवं विकास कार्यक्रमों के निरूपण हेतु अपेक्षित आंकडों को जुटाना ।
(ग) राज्य की विभिन्न आर्थिक तथा सामाजिक पहलुओं से सम्बन्धित समस्याओं का सर्वेक्षण करना ।
(घ) राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के सांख्यिकीय कार्यों का समन्वय करना ।
(ड) राज्य सरकार को आर्थिक एवं सांख्यिकीय विषयों पर परामर्श देना ।
(च) केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (भारत सरकार) तथा अन्य राज्यों के सांख्यिकीय विभागों के साथ सम्पर्क करके कार्य करना ।
(छ) विकास योजनाओं /परियोजनाओं /स्कीमों का मूल्याकंन करना ।
(ज) पंचवर्षीय योजना /वार्षिक योजनाओं को बनाना तथा उनका कार्यान्वयन ।
(झ) जिला योजना के अन्तर्गत जिला स्तर की योजनाओं को बनाना तथा उनका कार्यान्वयन ।
(न) 20–सूत्रीय कार्यक्रम के अधीन विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति का अनुश्रवण करना ।
(ट) विभिन्न विभागों की मानवशक्ति एवं रोजगार गतिविधियों का समन्वय करना तथा मानवशक्ति एवं रोजगार प्रदान करने वाली परियोजनाओं का अध्ययन करना ।

उपर्युक्त गतिविधियों से विदित होता है कि अर्थ तथा सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग, हरियाणा मुख्यतः एक अनुसंधान विभाग है जो कि समय–समय पर नियमित तथा तदर्थ आधार पर सामाजिक एवं आर्थिक सर्वेक्षण /अध्ययन करता है । इस प्रकार इस विभाग के कोई भौतिक लक्ष्य अथवा उपलब्धियां नही होती हैं । फिर भी यह वर्णनीय है कि इस विभाग द्वारा हरियाणा सांख्यिकीय सारांश, हरियाणा का आर्थिक सर्वेक्षण, राज्य वित्त का विश्लेषण, बजट का आर्थिक एवं प्रयोजनवार कार्यात्मक वर्गीकरण, हरियाणा में नगरपालिकाओं /परिषदों /निगमों के बजटों का आर्थिक तथा कार्यात्मक वर्गीकरण, हरियाणा में कृषि की आर्थिक–व्यवस्था का अध्ययन तथा हरियाणा में कृषकों का परिवार बजट सर्वेक्षण रिपोर्ट जैसे कई वार्षिक प्रकाशन नियमित आधार पर मुद्रित करवाए जाते हैं ।

इस विभाग में आर्थिक तथा योजना प्रभागों के अन्तर्गत क्रमशः निम्नलिखित अनुभाग कार्य कर रहे हैं :–

(क) **सांख्यिकीय प्रभाग**

1 संग्रह तथा संकलन
2 कीमत
3 राज्य आय
4 लोक वित्त
5 क्षेत्रीय लेखा
6 पूंजी निर्माण
7 कृषि
8 राष्ट्रीय प्रतीक सर्वेक्षण एवं सारणीकरण
9 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक
10 प्रशिक्षण

11 सामाजिक सांख्यिकीय सुधार
12 आर्थिक सर्वेक्षण
(ख) **योजना प्रभाग**
13 योजना निरूपण तथा कार्यान्वयन
14 जिला योजना
15 मूल्यांकन सर्वेक्षण
16 योजना अनुश्रवण
17 मानवशक्ति तथा रोजगार समन्वय

वर्ष 2010–11 के दौरान अनुभागों द्वारा किये गये कार्यों का विवरण निम्न प्रकार से है :–

(क) **सांख्यिकीय प्रभाग**

1 **संग्रह तथा संकलन अनुभाग**

यह अनुभाग मुख्यतः राज्य के विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक पहलुओं पर सांख्यिकीय सामग्री का संग्रह तथा संकलन करके इनका नियमित रूप से प्रकाशन करवाता है । इस अनुभाग द्वारा प्रकाशित प्रकाशनों से विभिन्न विभागों/विश्वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थानों/अनुसंधान–कर्ताओं की दिन प्रतिदिन की सांख्यिकीय आवश्यकताओं को पूर्ण किया जाता है ।

राज्य सांख्यिकीय सारांश को तैयार करना अर्थ तथा सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग, हरियाणा का एक वार्षिक कार्य है । तदानुसार वर्ष 2010–11 में वर्ष 2009–10 के सांख्यिकीय सारांश को समय पर प्रकाशित करवाकर जारी किया गया । इस प्रकाशन को बजट सत्र (बजट सैशन) के दौरान अन्य बजट प्रलेखों के साथ विधायकों को वितरित किया गया । इस प्रकाशन में नीति निर्णय लेने, विकास योजनाओं के निरूपण तथा अनुसंधान कार्यों हेतु लगभग सभी महत्वपूर्ण सामाजिक–आर्थिक पहलुओं विशेषकर क्षेत्रफल, जनसंख्या, कृषि, सिंचाई, बिजली, उद्योग, श्रम तथा रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, सहकारिता, लोक वित्त, कीमत सूचकांक, राज्य आय आदि के आकड़ों का समावेश किया जाता है । ये आंकड़े राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति को जानने में अत्यधिक सहायक सिद्ध होते हैं । यह इस विभाग का महत्वपूर्ण संदर्भ प्रकाशन है, जिसकी मांग गत वर्षो की तुलना में बढती जा रही है ।

केन्द्र तथा राज्यों के संयुक्त सांख्यिकीय सम्मेलन की सिफारिशों के आधार पर अर्थ तथा सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग, हरियाणा वर्ष 1967 से प्रति वर्ष कर्मचारी वर्ग की गणना से सम्बन्धित आवश्यक सूचना एकत्रित कर रहा है । इस सूचना का प्रयोग राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के हित में नीति निर्धारण हेतु तथा कर्मचारियों को अन्य वित्तिय सुविधाएं प्रदान करने हेतु किया जाता है ।

संदर्भाधीन अवधि के दौरान हरियाणा सरकार के अधीन विभिन्न विभागों में कार्यरत अमला के आकंड़े संदर्भ तिथि 31 मार्च, 2009 से सम्बन्धित परिणामों को अन्तिम रूप दिया गया व कार्ड मुद्रित करवाया गया तथा 31 मार्च, 2010 से सम्बन्धित अमला के आकंडों का संग्रह एवं सकंलन का कार्य प्रगति पर रहा ।

कृषि श्रमिक मजदूरी तथा ग्रामीण खुदरा भावों की सूचना मास फरवरी, 2010 से जनवरी, 2011 तक एकत्रित तथा संकलित करके कृषि मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजी गई ।

2 कीमत अनुभाग

साप्ताहिक खुदरा तथा थोक भावों का संग्रह करना तथा श्रमिक वर्ग के लिए उपभोक्ता कीमत सूचकांक तैयार करना इस अनुभाग का उत्तरदायित्व है । रिपोर्टाधीन अवधि में मास फरवरी, 2010 से जनवरी, 2011 तक के श्रमिक वर्ग उपभोक्ता कीमत सूचकांक (आधार वर्ष 1982=100), जो कि छः केन्द्रों नामतः भिवानी, हिसार, सोनीपत, सूरजपूर–पिंजौर, बहादुरगढ़ तथा पानीपत एवं सकल हरियाणा राज्य के लिए संकलित करके गजट अधिसूचना के रुप में जारी किए गए ।

न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी की हैसियत से जनवरी, 2010 से जून, 2010 तक तथा जुलाई, 2010 से दिसम्बर, 2010 तक के छः माही श्रमिक वर्ग के उपभोक्ता कीमत सूचकांक छः चुने हुए केन्द्रों तथा श्रम ब्यूरो, भारत सरकार द्वारा संकलित यमुनानगर व फरीदाबाद केन्द्रों के उपभोक्ता कीमत सूचकांकों की घोषणा की गई तथा गजट अधिसूचना जारी की गई ।

फरवरी, 2010 से जनवरी, 2011 तक के कृषि उत्पादों के थोक भाव के सूचकांक (आधार वर्ष 1980–81=100) तैयार किये गये ।

ग्रामीण खुदरा भावों की जांच करके मास मार्च, 2010 से फरवरी, 2011 तक का सकंलन कार्य किया गया तथा फरवरी, 2010 से जनवरी, 2011 तक के सूचकांक तैयार किये गये ।

त्रैमासिक मकान किराया सर्वेक्षण से सम्बन्धित तिमाही नामतः मार्च, जून, सितम्बर, तथा दिसम्बर, 2010 की प्राप्त अनुसूचियों की छानबीन करके मकान किराये का सूचकांक तैयार किया गया । प्राईस मोनिटरिंग सैल के लिए मास अप्रैल, 2010 से मार्च, 2011 तक कीमतों की समीक्षा तैयार करके निदेशक, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, हरियाणा को भेजी गई ।

3. राज्य आय अनुभाग

राज्य आय अनुभाग हरियाणा राज्य के राज्य घरेलू उत्पाद अनुमान तथा प्रति व्यक्ति आय

अनुमान प्रचलित तथा स्थिर भावों पर नियमित तौर पर तैयार करता है । ये अनुमान राज्य के आर्थिक विकास के माप के लिए महत्वपूर्ण सूचकांक होते हैं । आर्थिक विकास दर्शाने के साथ–साथ क्षेत्रवार अनुमान राज्य की अर्थ–व्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रकाश डालते हें । राज्य आय अनुभाग द्वारा वर्ष के दौरान निम्न कार्य किए गए :–

हरियाणा राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद, निवल राज्य घरेलू उत्पाद एवं प्रति व्यक्ति आय अनुमान वर्ष 2008–09 (अनन्तिम) प्रचलित तथा स्थिर (2004–2005) दोनों भावों पर तैयार किये गये ।

हरियाणा राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद, निवल राज्य घरेलू उत्पाद तथा प्रति व्यक्ति आय के द्रुत अनुमान वर्ष 2009–10 व अग्रिम अनुमान वर्ष 2010–11 के लिये प्रचलित तथा स्थिर (2004–05) दोनों भावों पर तैयार किए गए ।

राज्य घरेलू उत्पाद अनुमान वर्ष 2009–10 (अनन्तिम) तैयार करने हेतु सूचना एकत्रित करने का कार्य जारी रहा । प्राप्त सूचना की छानबीन की गई तथा संकलन कार्य किया गया ।

हरियाणा राज्य के जिला स्तरीय सकल एवं निवल राज्य घरेलू उत्पाद तथा प्रति व्यक्ति आय अनुमान वर्ष 1999–2000 से 2006–07 तक संशोधित किए गए । उक्त अनुमान वर्ष 2007–08 (Provisional) तथा 2008–09 के द्रुत अनुमान प्रचलित तथा स्थिर (1999–2000) दोनो भावों पर तैयार किये गये ।

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित अलाभकारी संस्थाओं के सर्वेक्षण सम्बन्धी प्रोजैक्ट के द्वितीय चरण का कार्य विभाग द्वारा चयनित दस जिलों कुरूक्षेत्र, हिसार, पंचकूला, भिवानी, करनाल, जीन्द, फरीदाबाद, रोहतक, सोनीपत, तथा महेन्द्रगढ़ में करवाने का कार्य प्रगति पर रहा ।

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, नई दिल्ली द्वारा पुडुचेरी में राज्य आय अनुमानों, का आधार वर्ष 1999–2000 से 2004–05 संशोधित करने के संदर्भ में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें इस विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा भाग लिया गया ।

4. लोक वित्त

लोक वित्त अनुभाग "हरियाणा सरकार के बजट का आर्थिक एवं प्रयोजनवार वर्गीकरण"' तथा '"राज्यों के वित्त का विश्लेषण"' नामक प्रतिवेदन वार्षिक आधार पर तैयार करता है ।

वर्ष 2010–11 में "हरियाणा सरकार के बजट वर्ष 2010–11 की आर्थिक एवं प्रयोजनवार

वर्गीकरण" नामक प्रतिवेदन तैयार किया गया । "राज्यों के वित्त का विश्लेषण" वर्ष 2009–10 तैयार किया गया तथा वर्ष 2010–11 नामक प्रतिवेदन तैयार करने का कार्य प्रगति पर रहा । इनपुट–आउटपुट ट्रांजैक्सन तालिकाएँ वर्ष 2007–08 तथा 2008–09 तैयार की गई तथा केन्द्रीय सांख्यिकिय संगठन, नई दिल्ली को प्रेषित की गई ।

5. क्षेत्रीय लेखा अनुभाग

क्षेत्रीय लेखा अनुभाग हरियाणा राज्य की नगरपालिकाओं /परिषदों/ निगमों के बजटों का आर्थिक तथा कार्यात्मक वर्गीकरण सम्बन्धी रिपोर्ट वार्षिक आधार पर तैयार करता है । इसके अतिरिक्त हरियाणा राज्य की ग्राम पंचायतों के बजट (ब्लाक वार) तथा पंचायत समितियों के बजटों की सूचना का एकत्रीकरण व संकलन कार्य करता है ।

वर्ष 2010–11 के दौरान हरियाणा राज्य की नगरपालिकाओं/परिषदों/निगमों के बजटों का आर्थिक तथा कार्यात्मक वर्गीकरण सम्बन्धित वर्ष 2008–09 की रिपोर्ट तैयार की गई ।

पंचायत समितियों की वर्ष 2008–09 की सूचना का संकलन कार्य पूर्ण किया गया व वर्ष 2009–10 की सूचना एकत्रित करने का कार्य प्रगति पर रहा ।

6. पूंजी निर्माण अनुभाग

पूंजी निर्माण अनुभाग राज्य में सकल स्थायी पूंजी निर्माण के अनुमान वार्षिक आधार पर तैयार करता है ।

रिपोर्टाधीन अवधि में प्रचलित तथा स्थिर (1999–2000) भावों पर वर्ष 2008–09 के सकल स्थायी पूंजी निर्माण के अनुमान उद्योगों के उपयोग, संस्थानुसार एवं परिसम्पत्तियों के प्रकारानुसार तैयार किए गए ।

सकल स्थाई पूंजी निर्माण, हरियाणा की रिपोर्ट वर्ष 1999–2000 से वर्ष 2008–09 तक (आधार वर्ष 1999–2000) तैयार की गई ।

7 कृषि अनुभाग

कृषि अनुभाग प्रति वर्ष नियमित तौर पर दो प्रतिवेदन नामतः "हरियाणा में कृषकों की आर्थिक व्यवस्था का अध्ययन" एवं "कृषकों के परिवार बजट अध्ययन" तैयार करता है । कृषकों की आर्थिक व्यवस्था का अध्ययन रिपोर्ट में राज्य के चुने हुये कृषकों की जोतों की विभिन्न फसलों के उत्पादन, लागत तथा आय का अध्ययन किया जाता है । "कृषकों के परिवार बजट अध्ययन" के अन्तर्गत राज्य के चुने हुए कृषक परिवारों की आय तथा व्यय का विश्लेषण किया जाता है ।

"कृषि लेखा अध्ययन" रिपार्ट तथा "कृषि परिवार बजट अध्ययन" रिपोर्ट वर्ष 2008–09 प्रैस से मुद्रित करवाई गई व वर्ष 2009–10 से सम्बन्धी कार्य प्रगति पर रहा ।

8 राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण एवं सारणीकरण अनुभाग

यह अनुभाग भारत सरकार के राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन के सहयोग से क्षेत्रीय सर्वेक्षण करता है । इस सर्वेक्षण के अन्तर्गत विभिन्न चरणों में भूमि उपयोगिता, ऋण तथा निवेश, विनिर्माण, घरेलू मकानों की दशा, उपभोक्ता व्यय तथा रोजगार एवं बेरोजगारी तथा व्यापार आदि कई सामाजिक–आर्थिक पहलुओं पर सूचना एकत्रित की जाती है ।

इस अवधि के दौरान राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 66वें दौर के तृतीय तथा चतुर्थ उपचरण, ग्रामीण क्षेत्र के 53 सैम्पलों तथा शहरी क्षेत्र के 47 सैम्पलों का क्षेत्रीय सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किया गया । 66वें दौर के एक राज्य ग्रामीण तथा एक केन्द्रीय शहरी सैम्पल का एन0एस0एस0ओ0 हरियाणा सर्कल, चण्डीगढ़ के साथ मिलकर संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया ।

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 66वें दौर के तृतीय व चतुर्थ उपचरण ग्रामीण क्षेत्र के 40 सैम्पल व शहरी क्षेत्र के 31 सैम्पलों के क्षेत्रीय सर्वेक्षण कार्य का निरीक्षण किया गया तथा मुख्यालय से भी इस दौर की ग्रामीण क्षेत्र के 2 व शहरी क्षेत्र के 2 सैम्पलों का निरीक्षण किया गया ।

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 67वें दौर से सम्बन्धित राष्ट्रीय प्रशिक्षण सभा का आयोजन NSSO भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में किया गया जिसमें मुख्यालय से अधिकारियों ने भाग लिया व क्षेत्रीय प्रशिक्षण सभा जो मास जून, 2009 में NSSO हरियाणा सर्कल, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित की गई थी उसमें अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया ।

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 67वें दौर से सम्बन्धित क्षेत्रीय प्रशिक्षण सभा मुख्यालय में आयोजित की गई जिसमें सभी सर्कल के जिला सांख्यिकीय अधिकारियों, निरीक्षकों व अवर क्षेत्रीय अनुसंधाताओं ने भाग लिया ।

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 67वें दौर के ग्रामीण क्षेत्र के 160 सैम्पल व शहरी क्षेत्र के 100 सैम्पलों का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किया गया तथा राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 67वें दौर के तृतीय उपचरण तक अलाट किए गए 300 सैम्पलों में से 260 सैम्पलों का कार्य सम्पूर्ण किया गया ।

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 67वें दौर से सम्बन्धित प्रथम व द्वितीय अर्ध वार्षिक सभा जिला हिसार, व कुरूक्षेत्र में आयोजित की गई जिसमें सभी सर्कलों के निरीक्षकों ने भाग लिया । इस अवधि के दौरान राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 67वें दौर के ग्रामीण क्षेत्र के 132 व शहरी क्षेत्र के

81 सैम्पलों का निरीक्षण किया गया । इस अवधि के दौरान मुख्यालय से भी 67वें दौर के 6 ग्रामीण व 5 शहरी सैम्पलों का निरीक्षण किया गया ।

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 67वें दौर की Data processing तथा 63वें, 64वें, 65वें, चरण की टेबुलेशन से सम्बन्धित राष्ट्रीय प्रशिक्षण सभा में भाग लिया ।

राष्ट्रीय प्रतीक सर्वेक्षण के 63वें चरण की उपभोक्ता व्यय (1.0) से सम्बन्धित रिपोर्ट तैयार करने का कार्य प्रगति पर रहा ।

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 65वें दौर का वैलीडेशन सॉफटवेयर को राज्य के सभी 7 सर्कलों में Load करने उपरान्त 7 जिलों में राष्ट्रीय प्रतीक सर्वेक्षण से सम्बन्धित कर्मचारियों को इस बारे प्रशिक्षण दिया गया ।

9. <u>औद्यौगिक उत्पादन सूचकांक अनुभाग</u>

यह अनुभाग हरियाणा राज्य के मासिक एवं वार्षिक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक तैयार करता है। ये सूचकांक औद्योगिक क्षेत्र में हुई प्रगति तथा औद्योगिक क्षेत्र में आए मूलभूत परिवर्तनों को दर्शाते हैं ।

वार्षिक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक वर्ष 2009–10 (आधार वर्ष 1999–2000) तैयार किया गया । मास अप्रैल, 2009 से मार्च, 2010 तक का मासिक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक भी (आधार वर्ष 1999–2000) तैयार किया गया ।

मास अप्रैल, 2010 से मार्च, 2011 तक का मासिक व वार्षिक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार वर्ष 1999–2000) पर तैयार करने के लिये चयन की गई औद्योगिक इकाईयों से चयन किये गये मदों की इस अवधि की मासिक औद्योगिक उत्पादन सम्बन्धी सूचना एकत्रित करके छानबीन व संकलन कार्य किया गया व उक्त अवधि का मासिक उत्पादन सूचकांक तैयार करने का कार्य जारी रहा ।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार वर्ष 1999–2000) पर वर्ष 2004–05 से 2009–10 तक की रिपोर्ट तैयार की गई ।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का आधार वर्ष 1999–2000 से 2004–05 बदलने हेतू आईटम बास्केट एवं वेटिंग डायाग्राम तैयार किया गया तथा उक्त उद्देश्य हेतू चयन की गई औद्योगिक इकाईयों से चयन किए गए आइटमों की वर्ष 2004–05 से 2010–11 तक की उत्पादन सम्बन्धी सूचना एकत्रित करने, छानबीन एवं संकलन कार्य जारी रहा ।

10. <u>प्रशिक्षण अनुभाग</u>

यह अनुभाग विभिन्न विभागों के मध्य/निचले स्तर के सांख्यिकीय कर्मचारियों के लिये जिला/राज्य स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है । प्रशिक्षण का उद्देश्य इन कर्मचारियों को सांख्यिकीय सम्बन्धित प्रारम्भिक ज्ञान जैसे आंकड़ों का एकत्रीकरण, संकलन, वर्गीकरण, सारणीकरण तथा प्रस्तुतीकरण आदि से परिचय करवाना है। प्रशिक्षणार्थियों को विभाग द्वारा किये जाने वाले कार्य के बारे भी अवगत कराया जाता है । वर्ष 2010–11 के दौरान जिला स्तर पर चार जिलों नामत: फतेहाबाद, भिवानी, झज्जर व मेवात में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विभागों के 56 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया ।

इसके अतिरिक्त विभाग के लगभग 105 अधिकारियों /कर्मचारियों को केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, श्रम ब्यूरो, भारत सरकार, हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान, गुड़गांव, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान, हैदराबाद व अन्य संस्थानों में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं में भाग लेने हेतू भेजा गया ।

11. <u>सामाजिक सांख्यिकीय सुधार अनुभाग</u>

यह अनुभाग राज्य में लोगों के सामाजिक जीवन से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर सामाजिक–आर्थिक सूचकों को तैयार करता है। वर्ष 2010–11 के दौरान राज्य सांख्यिकीय सारांश 2009–10 में सम्मिलित करने के लिए महत्वपूर्ण सामाजिक–आर्थिक पहलुओं पर विभिन्न सूचक तैयार किए गए ।

12. <u>आर्थिक सर्वेक्षण अनुभाग</u>

हरियाणा राज्य का आर्थिक सर्वेक्षण 2010–11 जिसमें अर्थ–व्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में की गई प्रगति दर्शाई जाती है, को तैयार कर बजट सत्र के दौरान हरियाणा विधानसभा में प्रस्तुत किया गया ।

ख. <u>योजना प्रभाग</u>

13. <u>योजना निरूपण एवं कार्यान्वयन अनुभाग</u>

यह अनुभाग राज्य की पंचवर्षीय एवं वार्षिक योजनायें तैयार करता है तथा योजना अवधि में योजना स्कीमों के कार्यान्वयन पर नजर रखता है ।

अनुभाग द्वारा वार्षिक योजना 2010–11 से सम्बन्धित राज्य की विकास स्कीमों को कार्यान्वित करने हेतु विभागों से प्राप्त अतिरिक्त राशि की मांग के प्रस्तावों तथा आपस में स्कीमों में स्वीकृत राशि के परिवर्तन के लिये प्राप्त सभी प्रस्तावों की जांच तथा उच्च स्तरीय समीक्षा उपरान्त विभागों को अग्रिम कार्यवाही हेतु आवश्यक परामर्श जारी किये गए ।

योजना आयोग, भारत सरकार द्वारा राज्य की वार्षिक योजना 2010–11 का योजना परिव्यय 10,000.00 करोड़ रूपये अनुमोदित करने उपरान्त इस परिव्यय का क्षेत्रवार आबंटन कर सम्बन्धित विभागों से इसकी स्कीमवार सूचना प्राप्त कर उसका संकलन करके वार्षिक योजना 2010–11 तैयार कर अनुमोदन उपरान्त प्रैस से मुद्रण करवाकर सम्बन्धित विभागों को इसकी प्रति भेजी गई ।

राज्य की संशोधित वार्षिक योजना 2010–11 का संशोधित परिव्यय 10,400.00 करोड़ रूपए निर्धारित किया गया ।

स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता/अनुदान देने के दिशा निर्देश तैयार कर सम्बन्धित विभागों को भेजे गये तथा मुख्य सचिव महोदया की अध्यक्षता में बैठक आयोजित करवाई गई ।

योजना आयोग, भारत सरकार द्वारा हरियाणा को 110 करोड़ रूपये की एकमुश्त अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता प्रदान की गई तथा सम्बन्धित विभागों में इसका वितरण किया गया तथा सम्बन्धित विभागों को इससे सम्बन्धित प्रोजैक्ट तैयार करने बारे लिखा गया ।

योजना आयोग, भारत सरकार द्वारा राज्य की वार्षिक योजना 2010–11 का योजना परिव्यय 11100.00 करोड़ रूपए अनुमोदित करने उपरान्त उक्त परिव्यय का क्षेत्रवार आंबटन कर सम्बन्धित विभागों से स्कीमवार प्रस्ताव एकत्रित कर उनका संकलन कार्य कर इसे प्रकाशित करवाने उपरान्त योजना आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजा गया ।

वार्षिक योजना 2010–11 के योजना परिव्यय की ईयरमार्किंग कर योजना आयोग, भारत सरकार को भेजी गई । वार्षिक योजना 2010–11 के खर्चे का रिव्यू से सम्बन्धित बैठक वित्तायुक्त, योजना विभाग की अध्यक्षता में करवाई गई तथा इन बैठकों में लिये गये निर्णयों पर कार्यवाही की गई ।

संशोधित योजना परिव्यय 2010–11 तथा वार्षिक योजना 2011–12 को अन्तिम रूप देने हेतु विभिन्न विभागों के सचिवों की वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, योजना विभाग की अध्यक्षता में बैठक करवाई गई । योजना विभाग द्वारा NABARD funded RIDF Projects से सम्बन्धित सूचना विभागों से एकत्रित करने उपरान्त उनका मूल्यांकन किया गया तथा वित्त विभाग को आगामी कार्यवाही हेतु वित्त विभाग को प्रेषित किया गया ।

14. <u>जिला योजना अनुभाग</u>

इस अनुभाग द्वारा राज्य स्तर पर जिला योजना स्कीम के कार्यान्वयन सम्बन्धी कार्य किये जाते हैं ।

जिले के सभी अतिरिक्त उपायुक्त एवं मुख्य योजना तथा विकास अधिकारियों को विकेन्द्रीकृत योजना के अर्न्तगत प्रत्येक तीन मास बाद (समाप्त त्रैमासिक) प्रगति रिपोर्ट भेजने बारे, पूर्ण किये गये कार्यों के उपयोगिता प्रमाण–पत्र भेजने बारे तथा लम्बित प्रगति रिपोर्ट भेजने बारे पत्र लिखे गए ।

विकेन्द्रीकृत योजना के अन्तर्गत वर्ष 2004–05 से 2007–08 तक के सभी जिलों से प्राप्त उपयोगिता प्रमाण पत्रों को संकलन कार्य किया गया तथा संकलन उपरान्त महालेखाकार, हरियाणा को प्रेषित किए गए।

जिला योजना के अन्तर्गत 31–3–2011 तक वार्षिक प्रगति रिपोर्ट (2010–11) एकत्रित की गई ।

जिला योजना वर्ष 2008–09 तथा वर्ष 2009–10 से सम्बन्धित उपयोगिता प्रमाण पत्र एकत्रित करने का कार्य प्रगति पर रहा तथा संकलन उपरान्त महालेखाकार, हरियाणा, चण्ड़ीगढ को प्रेषित किए गए ।

15. मूल्यांकन सर्वेक्षण अनुभाग

यह अनुभाग विकास कार्यक्रमों तथा परियोजनाओं का मूल्यांकन अध्ययन करता है ताकि उनके सामान्य प्रभाव, कार्यान्वयन करने में विलम्ब के कारण तथा सुधार के लिए उठाये जाने वाले पगों का विश्लेषण किया जा सके ।

वर्ष 2010–11 के दौरान मूल्यांकन अध्ययन नामतः परिवार कल्याण कार्यक्रम को पूर्ण किया गया । इसके अतिरिक्त मूल्यांकन अध्ययन नामतः सामुदायिक वानिकी परियोजना, स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना, मिड डे मील (मध्य दिवस भोजन योजना), राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम व यमुना एक्शन प्लान–1 के अर्न्तगत स्थापित मल निकासी संशोधन ईकाईयों का मूल्यांकन व अध्ययन प्रगति पर रहा ।

16. योजना अनुश्रवण अनुभाग

इस अनुभाग का गठन राज्य योजनाओं तथा विभिन्न केन्द्रीय प्रायोजित स्कीमों/परियोजनाओं की प्रगति का अनुश्रवण करने के लिये किया गया है ।

वार्षिक योजना 2010–11 की क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय तिमाही की त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट तैयार करके वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, योजना के अनुमोदन उपरान्त योजना आयोग, भारत सरकार, राज्य योजना बोर्ड, वित्त मन्त्रालय, भारत सरकार एवं वित्त विभाग, हरियाणा को भेजी गई ।

योजना आयोग, भारत सरकार के अधिकारियों द्वारा दिनांक 29 जून, 2011 को 2010–11 की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की गई जिसका आयोजन हरियाणा निवास चण्डीगढ़ में करवाया गया ।

शाखा द्वारा फलेगशिप प्रोग्रामों की मासिक प्रगति प्रगति रिपोर्ट प्रतिमाह योजना आयोग, भारत सरकार को प्रेषित की गई ।

वार्षिक योजना 2011–12 के ड्राफट प्लान हेतु प्लान फार्मुर्लेशन शाखा को महत्वपूर्ण आंकड़े उपलब्ध करवाये गये ।

वार्षिक योजना 2011–12 की खर्चे की समीक्षा के आधार पर वार्षिक योजना 2011–12 के लिए प्लान तैयार करने हेतु एक बैठकों का आयोजन किया गया ।

इसके अतिरिक्त योजना आयोग, भारत सरकार को समय–समय पर मांगी गई सूचनायें उपलब्ध करवाई गईं ।

17. <u>मानवशक्ति तथा रोजगार समन्वय अनुभाग</u>

मानवशक्ति तथा रोजगार समन्वय अनुभाग अर्थ तथा सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग, हरियाणा के प्रशासन अधीन कार्य करता है परन्तु इसके तकनीकी कार्य का निरीक्षण विशेष कार्य अधिकारी (मानवशक्ति) करता है। इस अनुभाग का मुख्य कार्य तकनीकी व्यक्तियों जैसे कि डाक्टर, अभियन्ता, अध्यापक तथा कृषि विशेषज्ञों की मांग तथा पूर्ति सम्बन्धित अनुमान लगाना है । योजना परियोजनाओं के अधीन रोजगार तथा बेरोजगारी सम्बन्धी समस्याओं का अध्ययन इसी अनुभाग द्वारा किया जाता है । वर्ष 2010–11 के दौरान विशेष रोजगार सृजन स्कीम के तहत गरीबी उन्मूलन रोजगार कार्यक्रम, स्वयं रोजगार एवं 11वीं पंचवर्षीय योजना 2007–2012 व वार्षिक योजना 2009–10 के दौरान प्रशिक्षण एवं रोजगार व रोजगार से सम्बन्धित अन्य स्कीमों से सम्बन्धित सूचना एकत्रित करने का कार्य जारी रहा ।

तथ्य पुस्तिका 1996 से 2005 तक को तैयार करने हेतु सीमान्त कार्यकर्ता, मुख्य कार्यकर्ता व गैर कार्यकर्ता की सूचना एकत्रित की गई । इसके अतिरिक्त रोजगार विभाग, हरियाणा से हरियाणा में रोजगार स्थिति, रोजगार कार्यालयों के पंजीकृत बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या व तकनीकी योग्यता प्राप्त रोजगार चाहने वालों की संख्या बारे सूचना एकत्रित करने का कार्य जारी रहा ।

ग– <u>जिला सांख्यिकीय एजैंसियां</u>

जिला सांख्यिकीय एजैन्सियां राज्य के सभी 21 जिलों में कार्य कर रही हैं । कार्यक्रमों, परियोजनाओं के निरूपण एवं चल रहे कार्यक्रमों के अनुश्रवण के लिए ये एजैन्सियां अभीष्ट आंकडे प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जिला सांख्यिकीय एजैन्सियों के मुख्य कार्य संक्षिप्त

रूप से नीचे वर्णित हैं :–

क– जिले की आर्थिक तथा सामाजिक परिस्थितियों पर सभी प्रकार के आंकड़ों का संग्रह, संकलन तथा पोषण करना ।

ख– आंकडे प्रदान करने वाली अन्य एजैन्सियों को संग्रह तथा संकलन कार्य के संदर्भो में मार्ग दर्शन प्रदान करना तथा निरीक्षण करना ।

ग– जिला स्तर पर किये जाने वाले सर्वेक्षणों में आवश्यक सहायता प्रदान करना ।

घ– विभिन्न कार्यालयों में सांख्यिकीय सूचना एकत्रित करने वाले तथा सूचना प्रदान करने वाले कर्मचारियों को समय–समय पर प्रशिक्षण प्रदान करना ।

ड– जिला स्तर के विभिन्न कार्यालयों में सांख्यिकीय गतिविधियों का समन्वय करना ।

जिला सांख्यिकीय एजैन्सियों द्वारा की जाने वाली नियमित सांख्यिकीय गतिविधियों का ब्यौरा नीचे दिया गया है :–

I <u>जिला सांख्यिकीय सारांश</u>

जिला स्तर पर जिला सांख्यिकीय कार्यालय, जिले के विभिन्न सामाजिक तथा आर्थिक पक्षों को दर्शाने वाले आंकडों का संग्रह तथा सकंलन करने वाली प्रमुख एजैन्सी है । इस विषय पर मुख्य प्रकाशन जिला सांख्यिकीय सारांश है जिसमें क्षेत्रफल, जनसंख्या, कर्मियों का व्यवसाय के अनुसार वितरण, अनुसूचित जातियों की जनसंख्या, साक्षरता, वर्षा, भू–उपयोगिता, फसलों के अधीन क्षेत्र, फसलों का उत्पादन, सिंचित निवल क्षेत्र, सिंचित कुल क्षेत्र, ट्रैक्टर, नलकूप तथा पम्प सैट, वन, पशुधन और पशुपालन, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, उद्योग, श्रम तथा रोजगार, चिकित्सा और स्वास्थ्य, शिक्षा, सहकारिता, परिवहन, सडकें, अपराध, स्थानीय निकाय, पंजीकरण, बैकिंग, सामुदायिक विकास, कीमतें आदि सभी प्रकार के आंकड़ों का समावेश किया जाता है । वर्ष 2010–11 के दौरान जिला सांख्यिकीय सारांश वर्ष 2008–09 सभी जिला सांख्यान कार्यालयों द्वारा तैयार किया गया ।

II <u>कीमत सम्बन्धी आंकडे</u>

जिला सांख्यिकीय कार्यालयों पर मार्किट कमेटियों से कृषि पदार्थो की थोक कीमतों, जिला मुख्यालय नगरों से खुदरा भाव तथा चुने हुए बाजारों तथा औद्योगिक कस्बों से परचून कीमतें एकत्र करने का उत्तरदायित्व है । इन आंकड़ों का प्रयोग राज्य स्तर पर सूचकांक तैयार करने के लिए भी किया जाता है ।

III <u>मण्डी आमद</u>

जिला सांख्यिकीय कार्यालयों द्वारा विभिन्न कृषि पदार्थो के मण्डी आमद सम्बन्धी आंकड़े भी

एकत्रित किये जाते हैं । इन आकडों का नियमित रूप से मार्किट कमेटियों से संग्रह किया जाता है तथा उन्हें काल श्रृंखला (टाईम सीरीज) के रूप में रखा जाता है ।

IV **<u>नगरपालिका वार्षिक पुस्तक</u>**

नगरपालिका वार्षिक पुस्तक में प्रत्येक जिले की नगरपालिकाओं के क्षेत्रफल, जनसंख्या, नगरपालिका के व्यवसाय, वर्षा, चिकित्सा, शिक्षा तथा अन्य सामाजिक तथा आर्थिक पहलुओं के महत्वपूर्ण आंकड़े होते हैं । शहरी स्तर की सामाजिक तथा आर्थिक सूचना के लिये यह प्रकाशन बहुत उपयोगी है । वर्ष 2010–11 के दौरान नगरपालिका वार्षिक पुस्तक वर्ष 2008–09 सभी जिला सांख्यान कार्यालयों द्वारा तैयार की गई ।

V **<u>20 सूत्रीय कार्यक्रम</u>**

उपायुक्तों एवं जिला स्तरीय पुनरीक्षण समितियों द्वारा जिला स्तर पर चल रहे 20–सूत्रीय कार्यक्रम की प्रगति का पुनरीक्षण प्रत्येक माह किया गया तथा जिला सांख्यिकीय एजैन्सियों द्वारा मासिक सूचना तैयार की जाती रही ।

VI **<u>जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण</u>**

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण वर्ष 2008–09 जिसमें जिला स्तर पर विभिन्न सामाजिक आर्थिक क्षेत्रों से सम्बन्धित आंकड़ों का संक्षिप्त विवरण हैं, सभी जिलों द्वारा तैयार किया गया ।

घ **<u>जिला योजना कार्यालय</u>**

हरियाणा में जिला स्तर पर विकेन्द्रीकृत योजना सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान शुरू की गई । इस योजना के अन्तर्गत इस विभाग द्वारा सभी जिलों में जिला योजना कार्यालय खोले गये हैं । इनके कार्य की देख रेख जिलों के सम्बन्धित अतिरिक्त उपायुक्त करते हें जिनको कि मुख्य योजना एवं विकास अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा हुआ है । 2007–08 में विकेन्द्रीकृत योजना को समाप्त कर जिला योजना नामक नई स्कीम शुंरू की गई है । ये कार्यालय अपने जिलों में स्थानीय स्तर के विकास के लिए नई स्कीमों को जिले की जिला योजना समिति से अनुमोदित करवाकर राज्य सरकार द्वारा जारी की गई राशि से इनको कार्यान्वित करवाते हैं । इस योजना के अर्न्तगत वर्ष 2010–11 में विभिन्न स्कीमों के अनुमोदन के लिये तथा किये गए कार्यो की प्रगति की समीक्षा के लिये विभिन्न जिला योजना समितियों की बैठक नियमित रूप से बुलाई गई ।

ड **<u>चौकसी से सम्बन्धित सूचना</u>**

उक्त अवधि के दौरान चौकसी विभाग से इस विभाग के कर्मचारियों से सम्बन्धित कोई मामला नोटिस में नहीं लाया गया ।

अर्थ तथा सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग, हरियाणा में कार्य कर रहे अधिकारियों/कर्मचारियों का ब्यौरा संलग्नक के रूप में आगामी पृष्ठों पर उपलब्ध है ।

संलग्नक

अर्थ तथा सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग, हरियाणा के राजपत्रित तथा अराजपत्रित वर्ग के पदों का विवरण 2011–12 (31–3–2012 के अनुसार):–

मुख्यालय

I. राजपत्रित	पदों की संख्या स्वीकृत	भरे हुए पद
निदेशक	1	1
अतिरिक्त निदेशक	2	2
सयुंक्त निदेशक	2	–
उप निदेशक	10	9+1@
अनुसंधान अधिकारी	31	25+1@
अधीक्षक	1	1

II. अराजपत्रित		
ल्ेखा अधिकारी	1	1
सहायक अनुसंधान अधिकारी /छानबीन निरीक्षक	47	29+5@
सांख्यिकीय सहायक /निरीक्षक (र0प0स0) /अन्वेषक	17	7+1@
क्षेत्रीय सहायक	19	12
अवर क्षेत्रीय अनुसंधाता	8+6**	6
कलाकार एवं प्रारूपकार	1	1
संगणक	–	–
उप–अधीक्षक	2	2
सहायक	14	14
लिपिक	6	4
निजी सहायक	2	2
वरिष्ठ आशुलिपिक	6	6
कनिष्ठ आशुलिपिक	7	6+1@
आशुटकंक	20	2
चालक	4	–
मशीन आपरेटर (डुप्लीकेटिंग मशीन)	1	–
मशीन आपरेटर (फोटोस्टेट मशीन)	1	–
सेवक	32	20+1@

जिला कार्यालय

क–जिला सांख्यान कार्यालय

(i) राजपत्रित

जिला सांख्यान अधिकारी	21	17
(ii) अराजपत्रित		
सहायक जिला सांख्यान अधिकारी	21	20
सांख्यिकीय सहायक /निरीक्षक (र0प0स0) /अन्वेषक	27	23
क्षेत्रीय सहायक	48	22
अवर क्षेत्रीय अनुसंधाता	40+7*	10
सहायक	21	19+2@
लिपिक	12	11+1@
अनुरेखक	–	3*
सेवक	40	33
संगणक	–	–

ख– जिला योजना कार्यालय

(i) राजपत्रित

मुख्य योजना तथा विकास अधिकारी	19	–
योजना अधिकारी	21	16
(ii) अराजपत्रित		
अनुसंधान सहायक	21	19
कार्टोग्राफर /ज्योग्राफर	–	13*
सेवक	21	19
सहायक	–	–
गैस्टेटनर आपरेटर	–	4*
कुल योग	559	393

@ कर्मचारी अन्य विभागों में प्रतिनियुक्ति पर हैं ।

* पद डिमीनिशींग/डाईंग कैडर में रखे गये हैं ।

** लिपिक के पद अवर क्षेत्रीय अनुसंधाता में कनवर्ट होने पर ।

@@ एक संगणक, क्षे0 सहायक के पद के विरूद्ध जिला सांख्यान कार्यालय, यमुनानगर में तथा दो संगणक अवर क्षेत्रीय अनु0 के पद के विरूद्ध जिला सांख्यान कार्यालय, हिसार व जीन्द में कार्यरत हैं ।